*बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार का सर्वेक्षण: 2015-16**

बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के सर्वेक्षण (आईटीबीएस) में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं/सहयोगी संस्थाओं तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं द्वारा दी जा रही वित्तीय सेवाओं के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत करता है, जो ग्राहकों से प्रत्यक्ष/परोक्ष रूप से लिए गए शुल्क/कमीशन पर आधारित है। बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के सर्वेक्षण के 2015-16 दौर के परिणाम यहां प्रस्तुत किए गए हैं। इसमें शाखा/कर्मचारी/बैंकिंग कारोबार के बारे में देश के प्रोफाइल तथा सेवा संबंधी गतिविधियों (निधि और गैर-निधि आधारित दोनों में) में हुए बड़े परिवर्तनों को शामिल किया गया है। उनके तुलनपत्र, आय, व्यय और लाभप्रदता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर भी चर्चा की गई है।

प्रस्तावना

बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार (आईटीबीएस) में उन सेवाओं को कवर किया गया है जो किसी अर्थव्यवस्था के निवासियों को यहां उल्लेख किए गए बैंकों की उपस्थिति से सेवाएं प्रदान की जाती हैं (ए) विदेशी बैंक तथा (बी) विदेश से संबद्ध संस्थाएं। इसमें निधि-आधारित सेवाओं को लिया गया है (जैसे जमाराशियां लेना, फर्मों को उधार देना, उपभोक्ता वित्त) तथा बहुत सी गैर-आस्ति आधारित सेवाएं (जैसे प्रतिभूतियों की हामीदारी, स्थानीय करेंसी में बांड का व्यापार, विदेशी मुद्रा का व्यापार, दलाली, अभिरक्षा सेवाएं, निधि अंतरण तथा प्रबंधन सेवाएं एवं वित्तीय कंसल्टैंसी/परामर्शी सेवाएं)। सीमा-पार तक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय तथा विदेशी बैंकों की बढ़ती संख्या से उनकी कुशलता तथा उनके पैरामीटर का मूल्यांकन करना उपयोगी रहा। अन्य बातों के साथ-साथ विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) के अंतर्गत सेवां के व्यापार में सामान्य करार (जीएटीएस) से यह जरूरी हो गया कि आईटीबीएस के संबंध में सतत रूप से तथा तुलनात्मक सांख्यिकी उपलब्ध हो ताकि वित्तीय सेवा क्षेत्र के उदारीकरण का मूल्यांकन किया जा सके।

आईटीबीएस सर्वेक्षण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वर्ष 2006-07 से वार्षिक आधार पर किया जाता रहा है, जिसका मकसद यह है कि बैंकिंग क्षेत्र के लिए कमर्शियल द्वारा स्थानीय आधार पर प्रदान की जाने वाली वित्तीय सेवाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जाए [अर्थात् सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित सांख्यिकीय मैनुअल (एमएसआईटीएस) के अनुसार आपूर्ति का मोड-3]। इनमें भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत विदेशी शाखाएं/सहयोगी संस्थाएं तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों को शामिल किया गया है। आईएमएफ के *भुगतान संतुलन और अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति मैनुअल:छठा संस्करण (बीपीएम 6)* के अनुसार सहयोगी संस्था प्रत्यक्ष निवेश उद्यम (डीआईई) होता है जिसमें प्रत्यक्ष निवेशकर्ता अपना नियंत्रण रखता है, जो तब तक बना रहता है जब तक कि निवेशक का उद्यम की कुल इक्विटी में हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक रहता है।

वर्ष 2015-16 के सर्वेक्षण चक्र में भारतीय बैंकों की 201 विदेशी शाखाएं तथा 249 विदेशी सहयोगी संस्थाएं तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की 317 शाखाओं को कवर किया गया है। इस सर्वेक्षण में पिछले कुछ वर्षों में बैंकिंग सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय व्यापार की मौजूदा प्रवृत्ति के साथ-साथ उनकी प्रमुख विशेषताओं का मूल्यांकन किया गया है।[1] इस सर्वेक्षण ने उन समस्त अनुसूचित वाणिज्य बैंकों ने उत्तर दिए हैं जिनकी उपस्थिति विदेशों में है, इसमें दिए गए परिणाम सेंसस स्थिति दर्शाते हैं यद्यपि वर्तमान वर्ष के आंकड़े अनंतिम ही दिए गए हैं।

I. शाखा का विभाजन

बीते हुए वर्षों में भारत की विदेश स्थित शाखाओं की संख्या बढ़ी है क्योंकि सीमापार के व्यापार एवं बढ़ती हुई गतिविधियों से शाखाओं की मांग बढ़ गई है। मार्च 2016 को विदेश में कार्य कर रही भारतीय बैंकों की संख्या 201 हो गई है (चार वर्ष पहले यह संख्या 163 थी), जिसमें से सबसे अधिक संख्या इंग्लैंड में थी (33), उसके बाद हांगकांग में (19), बहरीन (18), सिंगापुर (17), संयुक्त राज्य अरब अमीरात (13), और श्रीलंका (12) थी। भारतीय बैंकों की विदेशों में शाखाओं की संख्या में सरकारी क्षेत्र के बैंकों की संख्या का वर्चस्व बना रहा है, जिनमें भारतीय स्टेट बैंक की विदेशों में सबसे अधिक शाखाएं (21 देशों में 76 शाखाएं), उसके बाद बैंक आफ बड़ौदा की शाखाएं (14 देशों में 47 शाखाएं) हैं।

वर्ष 2015-16 के दौरान विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की 23 शाखाएं जुड़ी हैं जबकि विदेशी बैंकों की 4 शाखाएं भारत में जुड़ी हैं। विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं में

---

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के बाह्य देयता और आस्ति सांख्यकीय प्रभाग में तैयार किया गया। इस श्रृंखला का पिछला आलेख जो 2014-15 से संबंधित था भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के जनवरी 2016 के अंक में प्रकाशित किया गया था।

[1] आईटीबीएस 2015-1 सर्वेक्षण के विस्तृत आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर 19 अक्तूबर 2016 को जारी किए गए हैं, जिसमें सर्वेक्षण के अंतर्गत शामिल की गई बैंकिंग सेवाओं का ब्योरा दिया गया है।

कर्मचारियों की संख्या में 2014-15 में मामूली सी गिरावट के बाद 2015-16 में 3.7 प्रतिशत बढ़ी है (सारणी 1)। विदेशी बैंकों की भारत में कार्यरत शाखाओं में कर्मचारियों की कुल संख्या पिछले वर्ष की 3.3 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2015-16 में 4.4 प्रतिशत बढ़ी है। विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं में स्थानीय स्रोतों से लिए गए कर्मचारियों की संख्या 63.1 प्रतिशत थी, 33.9 प्रतिशत भारत से तथा 3.0 प्रतिशत अन्य देशों से। दूसरी ओर, भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों में 99.4 प्रतिशत कार्य करने वाले कर्मचारी स्थानीय थे (चार्ट1, सारणी 2)।

II. बैंकिंग कारोबार

विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं का कारोबार पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2015-16 में धीमी गति से बढ़ा था और उनका समेकित तुलनपत्र 2014-15 के 13.5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2015-16 में 4.0 प्रतिशत बढ़ा था। दूससरी ओर, भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं का कारोबार बढ़ गया था और उनका तुलनपत्र पिछले वर्ष में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2015-16 में बहुत ज्यादा 9.0 प्रतिशत बढ़ा गया था। मार्च 2012 से लेकर विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं का संयुक्त तुलनपत्र अमरीकी डालर के हिसाब से 57.5 प्रतिशत बढ़ा था जबकि भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं के संयुक्त तुलनपत्र में लगभग 9.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। भारतीय बैंकों की

चार्ट 1: कर्मचारियों की संख्या - 2011-12 से 2015-16

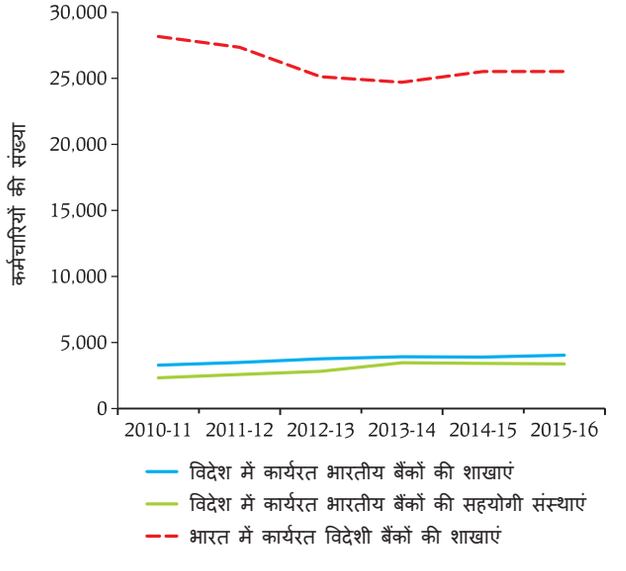

सारणी 1: शाखाओं एवं कर्मचारियों की संख्या - 2011-12 से 2015-16

श्रेणी	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
	शाखाओं की संख्या				
विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं	163	170	170	178	201
विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहयोगी संस्थाएं	158	184	235	235	249
भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं	309	316	307	313	317
	कर्मचारियों की संख्या				
विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं	3,489	3,761	3,915	3,897	4,040
विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहयोगी संस्थाएं	2,580	2,818	3,469	3,424	3,382
भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं	27,342	25,118	24,703	25,519	26,642

सहयोगी संस्थाओं के समेकित तुलनपत्र में वर्ष 2015-16 में 20.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी (2014-15 में 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी)।

चूंकि विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं के मुख्य कारोबार उधार देना था, इसलिए कुल आस्तियों में उनकी क्रेडिट का हिस्सा मार्च 2016 में 58.4 प्रतिशत था इसकी तुलना में भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों का हिस्सा 46.2 प्रतिशत था। लेकिन भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों ने विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं के हिस्से (37.1 प्रतिशत हिस्सा) की तुलना में जमा संग्रहण (तुलनपत्र में 56.0 प्रतिशत हिस्सा) के माध्यम से ज्यादा परिचालनों को वित्त

सारणी 2: कर्मचारियों के प्रकार - 2014-15 और 2015-16

	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं		विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहयोगी संस्थाएं		भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं	
	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16
शाखाओं की कुल संख्या	178	201	235	249	313	317
कर्मचारियों की कुल संख्या :	3,897	4,040	3,424	3,382	25,519	26,642
जिसमें से -						
स्थानीय	2,437	2,549	2,832	2,910	25,354	26,487
भारतीय	1,322	1,368	469	398		
अन्य	138	123	123	74	165	155

सारणी 3: बैंकों के तुलनपत्र - 2011-12 से 2015-16 (मार्च अंत)

श्रेणी	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं				
कुल आस्तियों की तुलना में क्रेडिट (%)	60.2	58.9	58.5	57.4	58.4
कुल देयताओं की तुलना में जमाराशियां (%)	36.5	39.5	39.0	39.0	37.1
कुल आस्तियां/देयताएं (बिलियन रुपए)	**7,399.2**	**9,939.8**	**12,791.2**	**14,520.0**	**15,101.7**
कुल आस्तियां/देयताएं (बिलियन अमरीकी डालर)*	**144.6**	**182.8**	**212.8**	**232.0**	**227.7**
	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहयोगी संस्थाएं				
कुल आस्तियों की तुलना में क्रेडिट (%)	64.9	66.5	67.9	70.7	69.5
कुल देयताओं की तुलना में जमाराशियां (%)	59.5	55.2	58.2	58.1	55.4
कुल आस्तियां/देयताएं (बिलियन रुपए)	**826.4**	**848.3**	**1,050.9**	**1,069.5**	**1,289.0**
कुल आस्तियां/देयताएं (बिलियन अमरीकी डालर)*	**16.2**	**15.6**	**17.5**	**17.1**	**19.4**
	भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं				
कुल आस्तियों की तुलना में क्रेडिट (%)	41.9	50.7	40.8	44.8	46.2
कुल देयताओं की तुलना में जमाराशियां (%)	46.9	46.7	47.8	53.7	56.0
कुल आस्तियां/देयताएं (बिलियन रुपए)	**5,764.5**	**6,066.5**	**7,290.3**	**7,497.6**	**8,172.7**
कुल आस्तियां/देयताएं (बिलियन अमरीकी डालर)*	**112.7**	**111.5**	**121.3**	**119.8**	**123.2**

* मार्च अंत में रुपए/डालर रिज़र्व बैंक संदर्भ दर का प्रयोग

प्रदान किया है। भारतीय बैंकों की विदेशी सहयोगी संस्थाओं के अपेक्षाकृत छोटे से तुलनपत्र में क्रेडिट एवं जमा का हिस्सा क्रमश: 69.5 प्रतिशत व 55.4 प्रतिशत था (सारणी 3)।

विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं ने जो क्रेडिट दिया था उसमें 2015-16 में पिछले वर्ष के 11.3 प्रतिशत की वृद्धि के ऊपर 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। हालांकि इस जमाराशि के आधार में 2014-15 में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि रिकार्ड करने के बाद 2015-16 में मामूली सी गिरावट आई है। भारतीय बैंकों की विदेशी सहयोगी संस्थाओं के क्रेडिट और जमाराशियों में अत्यधिक वृद्धि रिकार्ड की गई थी जो क्रमश: 18.4 प्रतिशत एवं 14.8 प्रतिशत थी (एक वर्ष पहले यह 5.9 प्रतिशत एवं 1.6 प्रतिशत थी) (चार्ट 2)।

चार्ट 2 : दिए गए ऋण में वृद्धि एवं जमाराशियां - 2011-12 से 2015-16

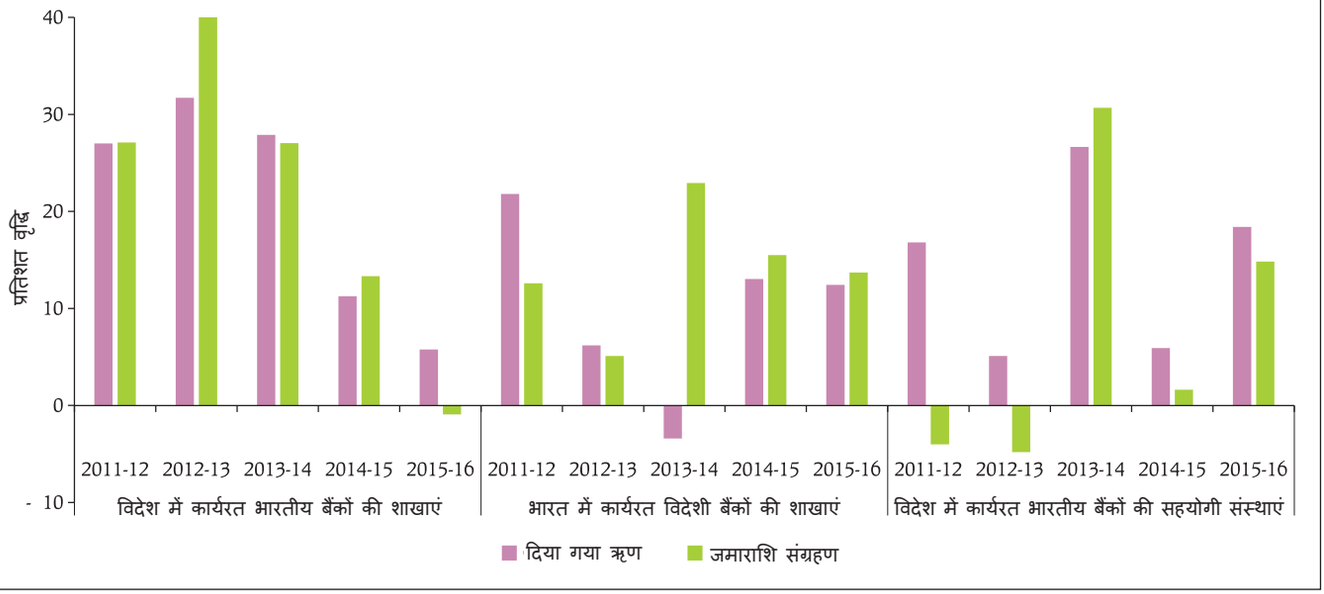

III. आय और व्यय

विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं एवं विदेशों में कार्यरत उनकी सहयोगी संस्थाओं की कुल आय 2015-16 में बढ़ गई थी, जबकि भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं की आय पिछले वर्ष की तुलना में समान बनी रही थी। विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं की कुल आय 2015-16 में 4.6 प्रतिशत बढ़ी थी (2014-15 में 8.1 प्रतिशत बढ़ी थी), जबकि विदेशों में उनकी सहयोगी संस्थाओं की कुल आय में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी (2014-15 में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी)। विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं का कुल व्यय 2015-16 में 1.8 प्रतिशत बढ़ा था जबकि छके वर्ष 2014-15 में इसमें 9.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं की ब्याज से इतर स्रोत से आय का हिस्सा विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं की तुलना में अधिक था। वर्ष 2015-16 के दौरान विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं का ब्याज से इतर स्रोतों से आय का हिस्सा 14.2 प्रतिशत था और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं का ब्याज से इतर स्रोत से आय का हिस्सा 19.3 प्रतिशत था (चार्ट 3, सारणी 4)।

चार्ट 3 : आय और व्यय - 2015-16

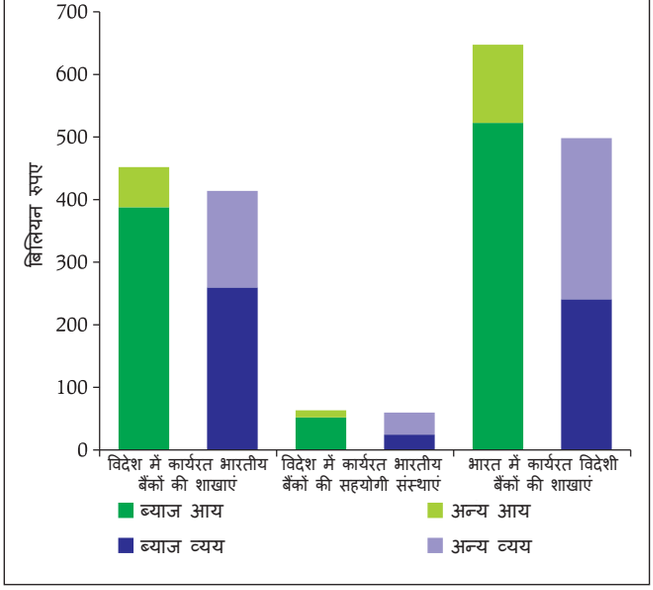

सारणी 4: आय और व्यय - 2011-12 से 2015-16

(बिलियन रुपए)

	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं				
आय	285.3	365.6	399.8	432.3	452.0
व्यय	206.2	273.7	306.4	318.8	413.9
	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहयोगी संस्थाएं				
आय	42.1	48.0	56.1	59.0	63.3
व्यय	33.9	34.3	45.8	48.4	59.8
	भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं				
आय	467.3	528.4	587.2	647.7	647.4
व्यय	327.9	372.6	446.5	489.5	498.1

IV. लाभप्रदता

तीन-बैंक समूहों में सभी स्तर पर लाभप्रदता 2015-16 में कम हुई थी हालांकि भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की लाभप्रदता विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं/सहयोगी संस्थाओं की तुलना में बहुत अधिक थी। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों तथा विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहयोगी संस्थाओं का लाभप्रदता अनुपात (आस्तियों पर प्रतिफल) तथा आस्ति की तुलना में आय के अनुपात में गिरावट आई थी। विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं के मामले में आस्ति की तुलना में आय का अनुपात लगभग पिछले साल के समान रहा था किंतु आस्तियों की तुलना में प्रतिफल का अनुपात पिछले वर्ष की 0.7 प्रतिशत की कमी के बजाय 0.2 प्रतिशत हो गया था (चार्ट 4ए, 4बी)।

वर्ष 2015-16 के दौरान देशवार आस्तियों पर प्रतिफल (आरओए) यह बताते हैं कि भारतीय बैंकों की शाखाएं जो मालदीव में कार्यरत हैं उनमें आस्तियों पर प्रतिफल सबसे अधिक था (5.0 प्रतिशत), उसके बाद बांगलादेश में (3.5 प्रतिशत)। जिन देशों में अधिक शाखाएं हैं उनका अनुपात जैसे बहरीन में न्यूनतम 0.5 प्रतिशत, हांगकांग में 0.3 प्रतिशत, यूके में 0.2 प्रतिशत तथा सिंगापुर में 0.1 प्रतिशत था (चार्ट 5)।

चार्ट 4ए: कुल आस्तियों की तुलना में आय

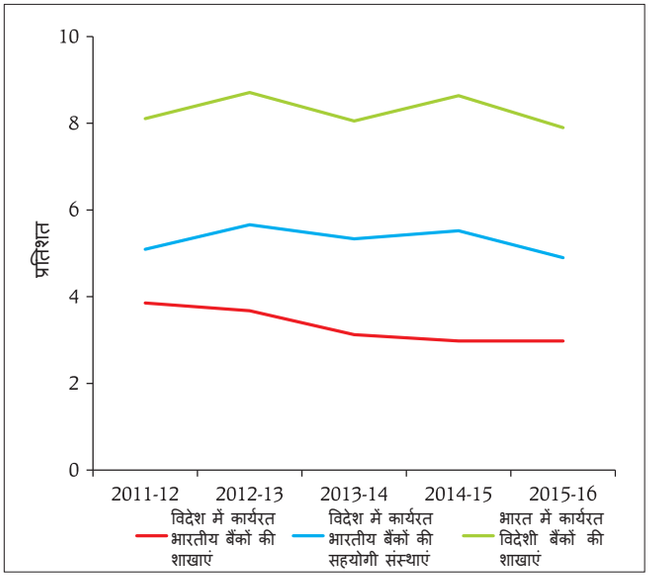

चार्ट 4बी: कुल आस्तियों की तुलना में प्रतिफल

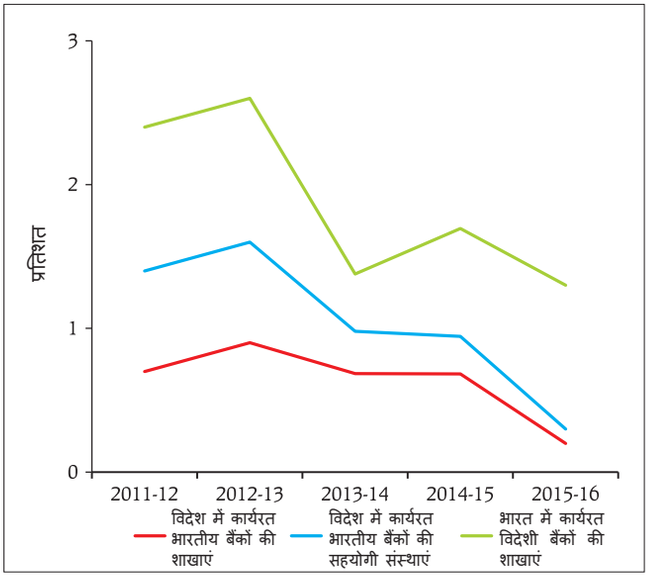

V. बैंकिंग सेवाओं में गतविधिवार व्यापार

बैंकिंग सेवाओं में व्यापार से संबंधित सूचनाएं विभिन्न बैंकिंग सेवाओं के लिए गए प्रभारित प्रत्यक्ष या परोक्ष शुल्क/कमीशन के आधार पर संकलित की गई हैं। इस प्रयोजन से वित्तीय सेवाओं से संबंधित विस्तृत डाटा का संकलन उनके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर किया गया है, जिन्हें एमएसआईटीएस के अनुसार ग्यारह प्रमुख समूहों में वर्गीकृत किया गया है।

वर्ष 2015-16 के दौरान विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं ने बैंकिंग सेवाएं देते हुए शुल्क-आय अधिक पैदा की, मुख्यतया क्रेडिट संबंधी सेवाएं, व्युत्पन्नी, स्टॉक, प्रतिभूतियां, विदेशी मुद्रा व्यापार संबंधी सेवाएं, तथा व्यापार

चार्ट 5: आस्तियों पर देशवार प्रतिफल (आरओए) - विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं

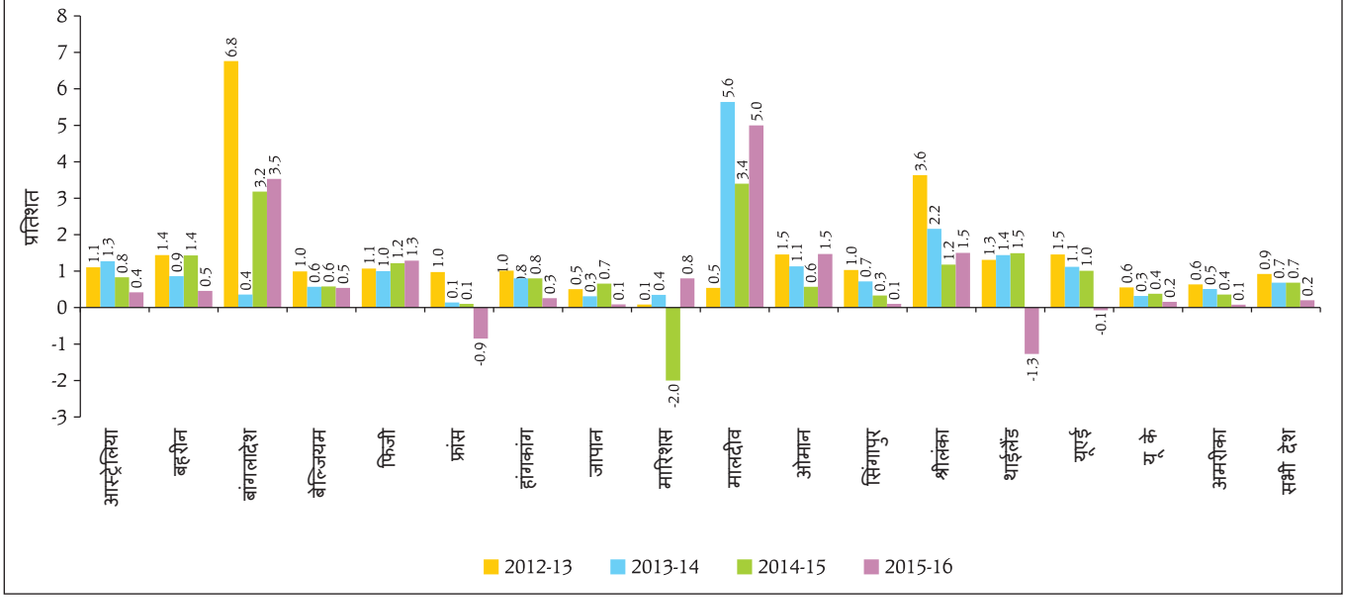

सारणी 5: विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा दी गई बैंकिंग सेवाओं का गतिविधिवार संघटन

(बिलियन रुपए)

बैंकिंग सेवा	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं					विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहयोगी संस्थाएं				
	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
जमाराशि खाता प्रबंधन सेवाएं	1.8	7.8	1.2	1.1	1.2	0.2	0.2	4.1	0.2	0.9
ऋण संबंधी सेवाएं	25.6	40.5	24.9	26.6	26.2	1.4	1.4	3.7	2.5	2.3
वित्तीय पट्टा सेवाएं	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं	18.2	34.4	14.3	15.1	13.7	0.5	0.5	5.0	5.2	0.6
भुगतान और धन अंतरण सेवाएं	10.1	5.3	2.8	3.4	3.3	0.4	0.4	0.6	1.2	1.3
निधि प्रबंधन सेवाएं	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.3	0.0	0.7	1.0	1.6
वित्तीय कन्सलटैनसी और परामर्शी सेवाएं	0.3	0.1	1.1	1.2	0.7	0.2	0.5	0.9	0.8	0.9
हामीदारी सेवाएं	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
समाशोधन और निपटान सेवाएं	1.9	0.2	0.4	0.5	0.5	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
व्युत्पन्नी, स्टाक, प्रतिभूति, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं	9.6	3.1	19.8	19.6	20.3	0.4	0.3	0.5	0.7	1.0
अन्य वित्तीय सेवाएं	0.6	2.1	25.2	26.8	20.9	0.7	1.5	1.1	1.5	1.2
कुल	**68.0**	**93.5**	**89.6**	**94.3**	**86.8**	**4.1**	**4.8**	**16.6**	**13.0**	**9.8**

टिप्पणी: पूर्णांकित किए जाने के कारण कंपनोनेंट का जोड़ कुल से भिन्न हो सकता है। यह स्थिति अन्य सारणियों के लिए भी लागू होगी ।

वित्त संबंधी सेवाएं दी गई थीं। दूसरी ओर, उनकी विदेशी सहयोगी संस्थाओं द्वारा सृजित शुल्क-आय मुख्यतया 'क्रेडिट संबंधी सेवाएं', 'निधि प्रबंधन सेवाएं', और 'भुगतान एवं धन अंतरण सेवाएं' देकर हासिल की गई थीं। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों ने अपने शुल्क-आय का ज्यादातर हिस्सा 'भुगतान एवं धन अंतरण सेवाएं', 'व्युत्पन्नी, स्टॉक, प्रतिभूतियां, विदेशी मुद्रा व्यापार संबंधी सेवाएं', तथा 'व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं' और 'क्रेडिट संबंधी सेवाएं देकर प्राप्त की थीं (सारणी 5 और 6)।

सारणी 6: बैंकिंग सेवाओं में व्यापार में गतिविधि का हिस्सा

(प्रतिशत)

गतिविधि	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं					विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहयोगी संस्थाएं				
	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
जमाराशि खाता प्रबंधन सेवाएं	2.7	8.3	1.3	1.2	1.4	5.4	5.1	4.6	2.8	1.7
ऋण संबंधी सेवाएं	37.6	43.2	27.8	28.2	30.2	10.9	12.2	11.9	12.0	12.2
वित्तीय पट्टा सेवाएं	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं	26.8	36.7	16.0	16.0	15.8	19.0	22.1	17.1	16.6	16.7
भुगतान और धन अंतरण सेवाएं	14.8	5.7	3.1	3.6	3.8	9.2	15.0	15.7	18.3	21.0
निधि प्रबंधन सेवाएं	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	5.9	6.1	4.4	5.6	6.4
वित्तीय कन्सलटैनसी और परामर्शी सेवाएं	0.4	0.1	1.2	1.3	0.8	14.4	15.0	16.6	17.2	9.6
हामीदारी सेवाएं	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.4	0.2	2.9	0.6	0.7
समाशोधन और निपटान सेवाएं	2.8	0.3	0.4	0.5	0.5	3.7	1.2	0.9	0.7	1.1
व्युत्पन्नी, स्टाक, प्रतिभूति, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं	14.1	3.5	22.1	20.8	23.4	21.5	17.6	20.9	20.4	19.0
अन्य वित्तीय सेवाएं	0.9	2.3	28.0	28.4	24.1	9.6	5.6	4.8	5.9	11.6
समस्त गतिविधियां	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

चार्ट 6: विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं की शुल्क से होने वाली आय : पिछला चार वर्ष और 2015-16 की तिमाही

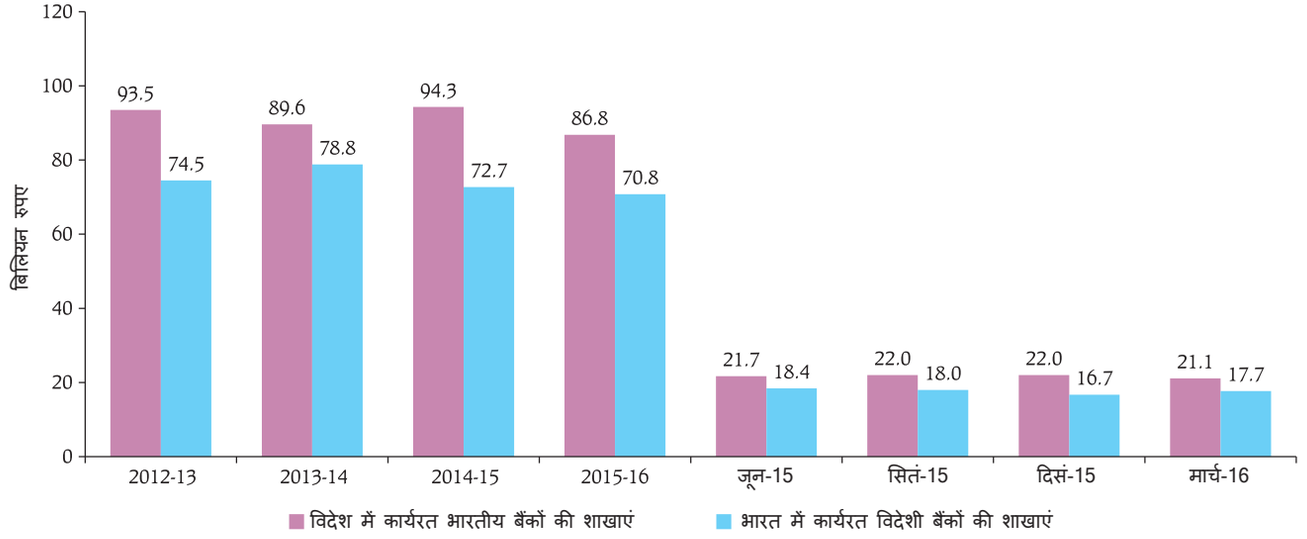

VI. शुल्क से प्राप्त आय

विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की कुल 201 शाखाओं द्वारा 2015-16 के दौरान जो आय सृजित की गई थी वह पिछले वर्ष के 94.3 बिलियन रुपए (1.5 बिलियन अमरीकी डालर) से घटकर 2015-16 में 86.8 बिलयन रुपए (1.3 बिलियन अमरीकी डालर) हो गई थी। इसी प्रकार भारत में कार्यरत 317 विदेशी बैंक की शाखाओं की शुल्क से आय 2014-15 के 70.8 बिलियन रुपए (1.2 बिलियन अमरीकी डालर) से घटकर 2015-16 में 70.8 बिलियन रुपए (1.1 बिलियन अमरीकी डालर) हो गई थी (चार्ट 6)। विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं की शुल्क संबंधी आय का ज्यादातर हिस्सा निवासियों से आया है। इसके विपरीत, विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहयोगी संस्थाओं की शुल्क संबंधी आय का अधिकांश हिस्सा अनिवासियों से आया है (चार्ट 7)।

चार्ट 7: बैंकिंग सेवाओं में व्यापार करने पर शुल्क संबंधी आय के स्रोत- निवासी और अनिवासी

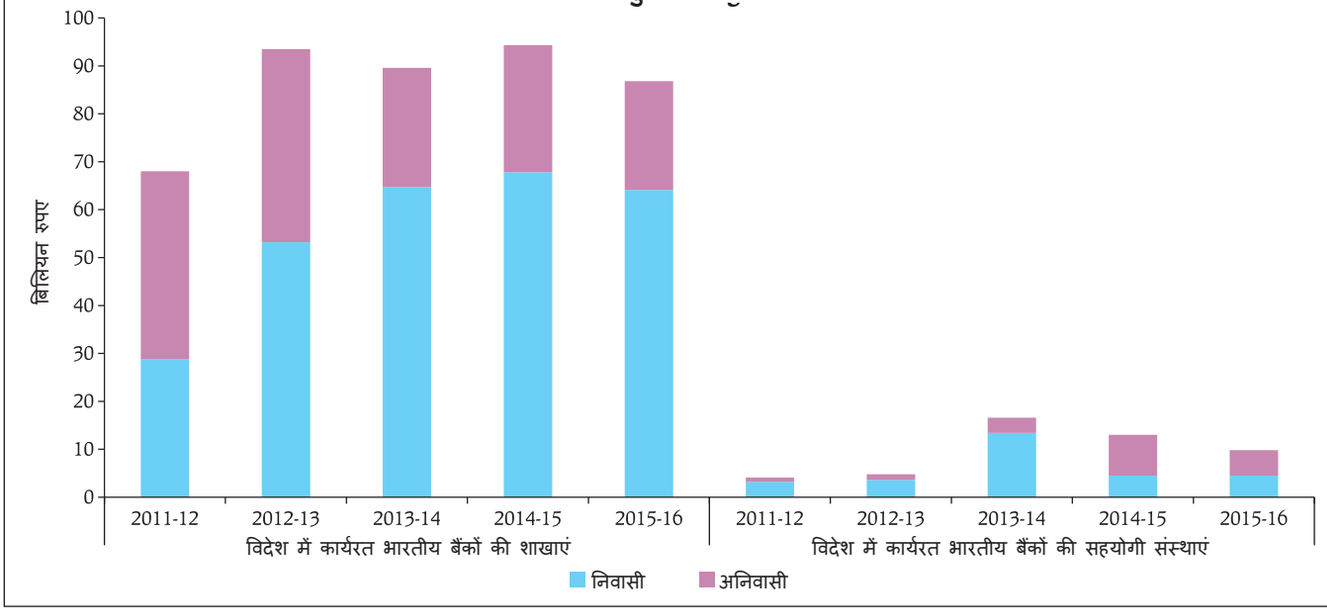

सारणी 7: विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शुल्क से होने वाली आय का देशवार वर्गीकरण

(राशि बिलियन रुपए में)

	विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाएं					भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं				
	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
बहरीन	2.5	2.9	3.9	5.2	3.9	0.1	0.1	0.1	0.1	0.1
हांगकांग	9.5	9.4	7.9	8.2	7.2	16.5	15.7	13.4	13.5	11.9
जापान	0.9	1.0	1.2	0.8	0.9	1.2	1.4	1.2	1.4	1.6
सिंगापुर	8.9	8.2	7.5	7.3	6.8	4.6	3.6	2.3	2.2	2.4
श्रीलंका	0.1	15.4	0.3	0.4	0.3	0.0	0.0	0.0	0.1	0.1
यूएई	5.9	4.1	8.5	9.9	9.0	0.2	0.2	0.4	0.4	0.5
यूके	27.8	38.8	49.8	52.3	48.0	26.8	18.5	23.0	18.5	16.4
अमरीका	5.2	4.3	3.7	4.1	4.1	24.0	20.4	26.6	25.6	28.6
अन्य देश	7.2	9.4	6.8	6.1	6.6	20.9	14.6	11.8	10.9	9.2
कुल	**68.0**	**93.5**	**89.6**	**94.3**	**86.8**	**94.3**	**74.5**	**78.8**	**72.7**	**70.8**

शुल्क से होने वाली आय के अनुसार यूके में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं का योगदान बैंकिंग सेवाएं देने में सबसे अधिक था, उसके बाद यूएई, हांगकांग और सिंगापुर में था (सारणी 7)। विदेशी बैंकों का यूएसए, हांगकांग और जापान से भारत में आईटीबीएस परिचालनों से उपचित राशि उस राशि से अधिक थी जो भारतीय बैंकों द्वारा इन देशों से विदेशी परिचालनों से उपचित हुई थी।

VII. समापन

सीमा-पार देशों में भारतीय एवं विदेशी बैंकों की बढ़ती हुई उपस्थिति पूरे विश्व में वस्तुओं एवं सेवाओं के बढ़ने के अनुरूप तथा बैंकिंग सेवाओं की बढ़ती मांग के अनुरूप रही है। जैसे जैसे विदेशों में भारतीय बैंकों की शाखाओं की संख्या 2012 में 163 से बढ़कर मार्च 2016 में 201 हो गई है, उसी गति से उनके समेकित तुलनपत्र में तकरीबन 57 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो इस अवधि में लगभग 277 बिलियन अमरीकी डालर होता है। इसी अवधि में भारत में विदेशी बैंकों की उपस्थिति की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी रही थी जो 309 से 317 हो गई है और उनके संयुक्त तुलनपत्र में लगभग 9.0 प्रतिशत की बहुत कम वृद्धि हुई है जो मार्च 2016 में 123 बिलियन अमरीकी डालर थी।

बैंकों की लाभप्रदता के लिए शुल्क का क्षेत्र फोकस का क्षेत्र होता है और विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं की अधिकांश शुल्क से आय निवासियों को दी गई सेवाओं से प्राप्त हुआ है। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की कुल आय में गैर-ब्याज आय का हिस्सा विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं से अधिक है। यही प्रमुख कारण है कि आस्ति का आधार कम होने के बावजूद भारत में विदेशी बैंकों की आय विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं से हाल के वर्षों में अधिक बनी रही है। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों का लाभप्रदता अनुपात (आस्तियों पर प्रतिफल) विदेश में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं/सहयोगी संस्थाओं से अधिक रहा है। लेकिन वर्ष 2015-16 के दौरान भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं/सहयोगी संस्थाओं तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं दोनों के लाभप्रदता अनुपात में गिरावट हुई है।